ओम् शान्ति 24-7-17 मधुबन

मधुबन के वामन भाई का देहावसान (समाचार)

प्यारे बापदादा के अति लाडले, समर्पित बुद्धि, यज्ञ स्नेही वामन भाई, (ज्ञानेश्वर भाई, भण्डारा, आत्म प्रकाश भाई (टोली), आप दोनों के लौकिक पिता जी), जिन्होंने पूरे परिवार सहित 1973 में नागपुर से ज्ञान प्राप्त किया। उसके पश्चात 1983 में सपरिवार यज्ञ में समर्पित होकर अपनी अथक सेवायें देने लगे। अभी वामन भाई की शरीर की आयु 94 वर्ष थी। आप पाण्डव भवन में रहकर पीछे गेट पर पहरा देते थे। माता जी ने कुछ समय पहले मधुबन में ही शरीर छोड़ा। उनके सभी बच्चे बच्चियां तथा उनका और भी बड़ा परिवार सभी समर्पित रूप से अपनी सेवायें दे रहे हैं।

वामन भाई ने 22 जुलाई 2017 को सवेरे 7.30 बजे, ग्लोबल हॉस्पिटल में अपना पुराना शरीर छोड़ बापदादा की गोद ली। 25 तारीख को उनके सभी लौकिक अलौकिक परिवार की उपस्थिति में अन्तिम संस्कार किया जायेगा। आप बाबा के बहुत समीप यज्ञ स्नेही रत्न थे। आपको पूरा मधुबन परिवार अपनी स्नेह श्रंधाजलि अर्पित कर रहा है।